झारखण्ड सरकार
मुख्यमंत्री सचिवालय

प्रेस विज्ञप्ति

राँची,दिनांक–03.10.2015

जनता दरबार में मुख्यमंत्री रघुवर दास ने जनता को दिलाया त्वरित न्याय का भरोसा

रांची, 3 अक्टूबर। मुख्यमंत्री आवास में आज आयोजित जनता दरबार में आवेदकों की समस्याओं पर संज्ञान लेते हुये मुख्यमंत्री श्री रघुवर दास ने रांची के उपायुक्त को भूमि विवाद निपटाने के लिए एक दिन का विशेष जनता दरबार लगाने को कहा, साथ ही भूमि विवाद को युद्धस्तर पर निबटाने का भी आदेश दिया। जनता दरबार में मुख्यमंत्री ने सभी फरियादियों से व्यक्तिगत तौर पर मुलाकात की और उनकी समस्याओं को सुना, साथ ही उनके द्वारा आये सुझावों पर अमल करने का भी भरोसा जनता को दिलाया। जनता दरबार में आज 300 फरियादियों ने अपनी समस्याएं रखी और मुख्यमंत्री ने एक-एक कर उन सारी समस्याओं को निष्पादन किया।

फरियादियों में अनुकंपा के आधार पर नौकरी की मांग करनेवालों की भी संख्या अधिक थी। जिस पर मुख्यमंत्री ने अपने प्रधान सचिव को व्यक्तिगत तौर पर इस समस्या का समाधान करने का आदेश दिया, साथ ही इन सभी फरियादियों को प्राथमिकता के आधार पर नियोजित करने का फरमान भी सुनाया।

जनता दरबार में डालटनगंज से आयी वृद्ध महिला रामपति कुंवर ने मुख्यमंत्री को जब यह बताया कि उसे दिल की बीमारी है और दवा के लिए पैसे नहीं है, तब मुख्यमंत्री ने अपनी ओर से उसे आर्थिक मदद दी, साथ ही उसे और सहायता देने का भरोसा दिलाया। जनता दरबार में चिकित्सा सहायता निधि से मदद की गुहार लगानेवालों की संख्या अधिक थी, जिस पर मुख्यमंत्री ने उपायुक्त को शीघ्र अनुशंसा करने का आदेश दिया।

हाल ही में नामकुम में दुष्कर्म के बाद स्थानीय लोगों द्वारा आंदोलन किये जाने और उसके बाद 18 छात्र-छात्राओं समेत 200 अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने का मामला भी जनता दरबार में उठा। नामकुम से आये लोगों ने मुख्यमंत्री से राहत दिलाने की बात कही। जिस पर मुख्यमंत्री ने रांची के एसएसपी को इस संबंध में विशेष दिशा-निर्देश दिये तथा लोगों को न्याय दिलाने का आदेश दिया।

आरा गेट निवासी राकेश रंजन का कहना था के उनके पास 66 डिसमिल जमीन है, उसमें स्कूल खोलना चाहते है, पर एक व्यक्ति उनके अपने ही जमीन पर बाउँड्री करने नहीं दे रहा, जिस पर मुख्यमंत्री ने एसएसपी को तत्काल कार्रवाई करने का आदेश दिया।

जनता दरबार में बड़ी संख्या में वृद्धा पेंशन व अन्य सामाजिक लाभ योजनाओं के लाभ से वंचित लोगों ने भी अपनी समस्याएं मुख्यमंत्री के समक्ष रखी, जिसे मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को त्वरित निष्पादन करने के लिए कहा।